संस्कृति एवं पर्यटन में डिप्लोमा	कार्यक्रम कोड : डीसीटी
Diploma in Culture and Tourism	**Programme Code : DCT**

उद्देश्य (Objectives) :

- संस्कृति व पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार अवसर।
- पर्यटन, इतिहास, कला एवं संस्कृति के विविध स्तरों पर कार्यरत कार्मिकों तथा उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को समुचित शिक्षा व प्रशिक्षण।
- पर्यटन सेवाओं के विषय में बुनियादी तथा विशेषीकृत प्रशिक्षण का समावेश।
- भारतीय तथा राजस्थानी संस्कृति व परम्पराओं के क्षेत्र में जीविका आधारित पाठ्यक्रमों का व्यवहार्य संयोजन। भारतीय तथा राजस्थानी सांस्कृतिक विरासतों तथा पर्यटन के विषय में चेतना का सृजन।

प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility) :

किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकेण्डरी (10+2) या व.म.खु.वि. कोटा से सीसीटी उत्तीर्ण।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 1 वर्ष ; अधिकतम 4 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 30

शुल्क (Fee) : कुल रुपये 2700/–(रूपये दो हजार सात सौ मात्र)

कार्यक्रम संरचना

(Programme Structure): इस कार्यक्रम में निम्नांकित पाँच पाठ्यक्रम हैं :

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक Credit
1.	भारत के निवासियों की परम्पराओं एवं संस्कृति की एक रूपरेखा	डीसीटी–01	6
2.	राजस्थान के निवासियों की परम्पराएँ तथा संस्कृति पर्यटन विषयक परिपेक्ष्य (राज्य तथा समाज)	डीसीटी–02	6
3.	राजस्थान के निवासियों की परम्पराएँ तथा संस्कृति पर्यटन विषयक परिपेक्ष्य (कला एवं शिल्प)	डीसीटी–03	6
4.	राजस्थान में यात्रा व पर्यटन	डीसीटी–04	6
5.	प्रोजेक्ट रिपोर्ट	डीसीटी–05	6

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम में तीन घंटे की लिखित परीक्षा आयोजित होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। पाठ्यक्रम संख्या डीसीटी–05 की प्रोजेक्ट रिपोर्ट 100 अंकों की होगी जिसे विश्वविद्यालय में विद्यार्थी द्वारा जमा कराना होगा। प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रत्येक विद्यार्थी को तैयार करनी होगी, जिसका उद्देश्य विद्यार्थी को पर्यटन व संस्कृति का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कराना है। विद्यार्थी विविध पाठ्यक्रमों (डीसीसीटी 01 से 04) में समाहित विषयों में से किसी एक विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र का चयन कर सकता है। अपने क्षेत्र के पर्यटन व संस्कृति के विविध पक्षों व स्थलों का चयन भी किया जा सकता है। विषय चयन हेतु वह क्षेत्रीय परामर्शदाताओं व विभागाध्यक्ष, भारतीय संस्कृति एवं परम्परा, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा से प्रवेश सूचना प्राप्त होने के तुरन्त बाद सम्पर्क कर परामर्श ले सकता है। प्रोजेक्ट लगभग 10,000 शब्दों का होना चाहिए, जो ए–4 साईज के पृष्ठ पर टंकित हो व स्पाइरल बाइण्ड हो। यह प्रोजेक्ट रिपोर्ट व्यक्तिगत रूप से या रजिस्टर्ड डाक से परीक्षा नियत्रंक को परीक्षा से एक माह पूर्व अनिवार्य रूप से पहुँच जानी चाहिए।

इसके बाद प्राप्त होने वाले प्रोजेक्ट को अगले वर्ष के विद्यार्थियों के साथ शामिल किया जाएगा व उसे परीक्षा फार्म भी भरना पड़ेगा। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को प्रत्येक विषय में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम